सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् को अनुदान के रूप में धनराशि प्रदान करती है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान कितनी धनराशि दी गयी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन संस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा और आकलन प्रभावी ढंग से नहीं किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) और (ख) जी, हां। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् को नीचे लिखे अनुसार अनुदान दिए गए :

वर्ष	राशि (लाखों में)
1989-90 . . .	968.00
1990-91 . . .	1209.00
1991-92 . . .	1350.00
1992-93 . . .	1455.00
1993-94 . . .	1500.00

(ग) और (घ) भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद की गतिविधियों तथा उसके कार्यक्रमों का परिषद के 3 सांविधिक प्राधिकरणों द्वारा निरन्तर निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाता है। परिषद के ये तीन प्राधिकरण हैं–महासभा, शासी निकाय और वित्त समिति। भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद के संविधान के अन्तर्गत यह शासी निकाय विशेष रूप से परिषद के कार्य के निरीक्षण तथा नियंत्रण के लिए उत्तरदायी है।

इसके अतिरिक्त विदेश सचिव भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद के पदेन उपाध्यक्ष हैं। विदेश मंत्रालय में वित्तीय सलाहकार परिषद के भी वित्तीय सलाहकार हैं। इन सबसे यह सुनिश्चित किया जाता है कि भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद की गतिविधियों तथा कार्यक्रम परिषद को प्रदत्त आदेश की रूपरेखा के अन्तर्गत किए जाते हैं।

विदेशों में सांस्कृतिक केन्द्र

1057. श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार द्वारा किन-किन देशों में सांस्कृतिक केन्द्र चलाये जा रहे हैं;

(ख) उक्त सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा किये गए कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार अन्य देशों में भी सांस्कृतिक केन्द्र खोलने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) और (ख) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के आठ केन्द्र हैं जो जार्जटाउन (गयाना), जकार्ता (इन्डोनेशिया), मास्को (रूस), पोर्ट लुई (मारीशस), पारामारिबो (सूरीनाम), काहिरा (मिस्र), बर्लिन (जर्मन संघीय गणराज्य), लंदन (यू० के०) में स्थित हैं जिनका काम भारत की सांस्कृतिक विरासत के संबंध में अधिकाधिक जानकारी बढ़ाना और भारत की समकालीन गतिविधियों के संबंध में सूचना प्रदान करना है। ये केन्द्र भारत के विभिन्न पहलुओं पर भाषण, व्याख्यान, फिल्म-प्रदर्शनियां जैसे नियमित कार्यकलाप आयोजित करते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ केन्द्र भारतीय संगीत, नृत्य, योग और हिन्दी की नियमित कक्षाएं भी आयोजित करते हैं। ये केन्द्र पुस्तकालय एवं वाचनालय का भी अनुरक्षण करते हैं। ये केन्द्र जहां उपयुक्त होता है, विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यकलाप विकसित करते हैं।

इन सभी केन्द्रों से उम्मीद की जाती है कि वे छात्रों, अध्यापकों, विद्वानों और सांस्कृतिक क्षेत्र से सम्बद्ध लोगों सहित स्थानीय नागरिकों के एक व्यापक समूह के साथ सम्पर्क विकसित करें और उसे बनाए रखें।

(ग) और (घ) जी हां। ताशकन्द (उज्बेकिस्तान) और अल्माती (काजाकिस्तान) में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है।

Visit to India By French Senate Committee Delegation

1058. SHRI SYED SIBTEY RAZI : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether some delegation of the French Senate Committee for Foreign Affiairs, Defence and Armed Forces has recently visited India:

(b) if so. what are the details there of with background for such a move;

(c) whether lndia has gained something with this visit; and

(d) if so, what are the details thereof and if not. the reasons thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA) : (a) Yes, Sir.

(b) The visit of the French Senate delegation from 7-14 February 1994 was at their own initiative, within the framework of strengthening bilateral interaction.

(c) and (d) The visit provided a useful opportunity to intensify our dialogue with France at the level of Parliamentarians as well as to convey our perceptions and concerns on various issues, particularly those related to the problem of Pak-sponsored terrorism. The visit is expected to impart further momentum to Indo-French relations in the political, economic and cultural fields.

Divisional Passport Office At Pune

1059. SHRI AJIT P.K. JOGI:
SHRI RADHAKISHAN MALAVIYA

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is a demand for opening of a Divisional Passport Office at Pune for Western and Southern Maharashtra and Maharashtra regions;

(b) if so, what are the details thereof and

(c) what action has been taken in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL ARRAIRS (SHRI R. L. BHATIA) : (a) to (c) Requests have been received for opening more Passport Offices in various States and Union Territories, including Pune in Maharashtra State.

The opening of new Passport Offices is based on various parameters including work load and resources available. The opening of a new Passport Office does not itself improve the service until the necessary infrastructure and personnel are available. The Govt, is, .herefore, concentrating on clearing the backlog of pending applications, trying to cut down on delay in issuing passports and streamlining and simplifying procedures.

Shortage of Passport Booklets

1060. SHRI AJIT P.K. JOGI:
SHRI RADHAKISHAN MALAVIYA :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is a shortage of passport booklets in Ahmedabad, Bhopal and other Regional Passport Offices; and

(b) if so, what steps have been taken to improve the situation ?